**भारत सरकार**
**पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय**

**लोक सभा**

अतारांकित प्रश्न सं. **2156** जिसका उत्तर
**शुक्रवार, 1 अगस्त, 2025/ 10 श्रावण, 1947 (शक)** को दिया जाना है

**आरोहण जेटी का निर्माण**

**†2156. श्री हमदुल्ला सईद :**

**क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्या सरकार को संघ राज्यक्षेत्र लक्षद्वीप में चेतलाट और किल्टन द्वीपों के पूर्वी भाग में आरोहण जेटियों के निर्माण हेतु कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हाँ, तो प्रस्ताव का ब्यौरा क्या है और इस पर विचार या अनुमोदन की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या ऐसी जेटियों के अभाव के कारण और विशेषकर प्रतिकूल मौसम की स्थिति के दौरान पोतों में यात्रियों के आरोह्ण तथा अवरोहण के दौरान कठिनाइयाँ और सुरक्षा संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का इन द्वीपों के निवासियों के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय समुद्री संपर्क सुनिश्चित करने हेतु इन जेटियों को स्वीकृत करने और इनके निर्माण हेतु तत्काल कदम उठाने का विचार है; और

(ङ) यदि हाँ, तो परियोजना के प्रारंभ और पूर्ण होने की अपेक्षित समय-सीमा क्या है?

**उत्तर**
**पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री**
**(श्री सर्बानंद सोणोवाल)**

**(क) और (ख):** लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन (यूटीएलए) ने पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय को उनके दिनांक 29.06.2024 के पत्र के माध्यम से चेतलाट और किल्टन द्वीपों के पूर्वी तथा पश्चिमी भाग में जेट्टियों के निर्माण हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत की है। एमओपीएसडबल्यू ने यूटीएलए को इन परियोजनाओं की शुरुआत किए जाने से पहले विशेष अध्ययन करने की सलाह दी है। यूटीएलए से प्राप्त अनुरोध के आधार पर, इन अध्ययनों को शुरु करने के लिए, दिनांक 17.09.2024 को सागरमाला योजना के तहत 13.99 करोड़ रु. की राशि स्वीकृत की गई है।

**(ग):** यूटीएलए ने यह सूचित किया कि इन द्वीपों पर मौजूदा जेट्टियां काफी पुरानी है और छोटी नौकाओं को हैंडल करने के लिए डिजाइन की गई है। इसलिए, बड़े पोतों/ जलयानों से आने वाले यात्री/ कार्गो छोटी नौकाओं के माध्यम से द्वीप पर भेजे जाते है; जो समुद्र की खराब स्थिति में चिंताजनक है।

**(घ) और (ङ):** उपरोक्त भाग (क) और (ख) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

*****